सूचनाएँ:

(1) सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य, पूरक पठन तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है ।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए ।

(3) रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है ।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है ।

विभाग 1 – गद्य : 20 अंक

प्र.1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । [8]

बहन उनको संगीत की, भक्ति की तथा प्रेमयुक्त सलाह की खुराक दें । आगे चलकर संस्था की ज़मीन पर छोटे-छोटे मकान बनाए जाएँगे और उसमें संस्था के नियम के अधीन रहकर आने वाली महिलाएँ दो-दो, चार-चार का परिवार चलाएँगी, ऐसी संस्थाएँ मैंने देखी हैं । इसलिए जो बिलकुल संभव है, बहुत ही उपयोगी है । ऐसा ही काम मैंने सूचित किया है, इतने वर्ष के बहन के परिचय के बाद उनकी शक्ति, कुशलता और उनकी मर्यादा का ख्याल मुझे है । प्रत्यक्ष कोई हिस्सा लिए बिना मेरी सलाह और सहारा तो रहेगा ही । आगे जाकर बहन को लगेगा कि उनको तो मात्र निमित्तमात्र होना था । संस्था अपने आप चलेगी । समाज में ऐसी संस्था की अत्यंत आवश्यकता है । उस आवश्यकता में से ही उसका जन्म होगा । मुझे इतना विश्वास न होता तो बहन के लिए ऐसा कुछ मैं सूचित ही नहीं करता । तुम दोनों इस सूचना का प्रार्थनापूर्वक विचार करना लेकिन जल्दी में कुछ तय न करके यथासमय मुझे उत्तर देना । बहन यदि हाँ कहे तो अभी से आगे का विचार करने लगूँगा । यहाँ सरदी अच्छी है । फूलों में गुलदाउदी, क्रिजेन्थीमम फूल बहार में हैं । उसकी कलियाँ महीनों तक खुलती ही नहीं मानो भारी रहस्य की बात पेट में भर दी हो और होठों को सीकर बैठ गई हों । जब खिलती हैं तब भी एक-एक पंखुड़ी करके खिलती हैं । वे टिकते हैं बहुत । गुलाब भी खिलने लगे हैं । कोस्मोस के दिन गए ।

(1) संजाल में लिखिए । (2)

(2) (i) आश्रम में बहनों को यह खुराक मिलें (1)

(1) ______ **भक्ति की** (2) ______

(ii) काकासाहब को बहन की इन बातों का ख्याल है (1)

(1) ______ **मर्यादा** (2) ______

(3) (i) निम्नलिखित शब्दों के कृदंत रूप बनाइए । (1)

(1) चलना – ______ (2) रहना – ______

(ii) निम्नलिखित शब्दों के तद्धित रूप बनाइए । (1)

(1) गुलाब – ______ (2) रहस्य – ______

(4) 'अनुशासन का महत्त्व' इस विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए । (2)

(आ) निम्नलिखित पठित गद्‍यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।[8]

रामस्वरूप	:	अबे! धीरे-धीरे चल । ...... अब तख्त को उधर मोड़ दे ..... उधर ।
रतन	:	बिछा दें साहब?
रामस्वरूप	:	और क्या करेगा? परमात्मा के यहाँ अक्ल बँट रही थी तो तू देर से पहुँचा था क्या? .... बिछा दूँ साहब! ..... और यह पसीना किसलिए बहाया है?
रतन	:	हीं-हीं-हीं ।
रामस्वरूप	:	और बीबी जी के कमरे में से हारमोनियम उठा ला और सितार भी । ...... जल्दी जा ।
प्रेमा	:	लेकिन वह तुम्हारी लाड़ली बेटी उमा तो मुँह फुलाए पड़ी है ।

रामस्वरूप : क्या हुआ?

प्रेमा : तुम्हीं ने तो कहा था कि उसे ठीक-ठाक करके नीचे लाना ।

रामस्वरूप : अरे हाँ, देखो, उमा से कह देना कि ज़रा करीने से आए । ये लोग ज़रा ऐसे ही हैं । खुद पढ़े-लिखे हैं, वकील हैं, सभा-सोसायटियों में जाते हैं; मगर चाहते हैं कि लड़की ज़्यादा पढ़ी-लिखी न हो ।

प्रेमा : और लड़का?

रामस्वरूप : बाप सेर है तो लड़का सवा सेर । बी.एस्सी. के बाद लखनऊ में ही तो पढ़ता है मेडिकल कॉलेज में । कहता है कि शादी का सवाल दूसरा है, पढ़ाई का दूसरा । क्या करूँ, मजबूरी है ।

रतन : बाबू जी, बाबू जी!

रामस्वरूप : अरे प्रेमा, वे आ भी गए । ...... तुम उमा को समझा देना, थोड़ा-सा गा देगी । हँ-हँ-हँ! आइए, आइए! हँ-हँ! ...... मकान ढूँढ़ने में कुछ तकलीफ़ तो नहीं हुई?

गो. प्रसाद : नहीं । ताँगेवाला जानता था । रास्ता मिलता कैसे नहीं?

रामस्वरूप : हँ-हँ-हँ! और कहिए शंकर बाबू, कितने दिनों की छुट्टियाँ हैं?

(1) कृति पूर्ण कीजिए । (2)

रिश्ते लिखिए ।

(i) रामस्वरूप-रतन – ____________

(ii) रामस्वरूप-प्रेमा – ____________

(iii) प्रेमा-उमा – ____________

(iv) गोपाल प्रसाद-शंकर – ____________

(2) (i) लिखिए । (1)

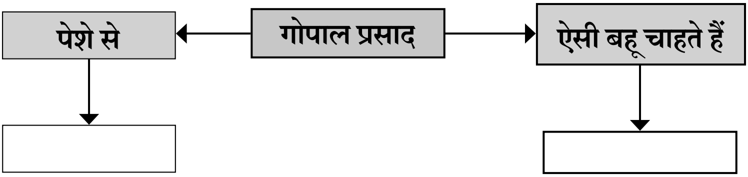

(ii) गद्यांश में उल्लिखित दो वाद्य– (1)

(1) ____________ (2) ____________

(3) (i) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर फिर से लिखिए । (1)

(1) बेटी (2) शादियाँ

(ii) निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर फिर से लिखिए । (1)

(1) पसीना (2) अक्ल

(4) 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' इस विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए । (2)

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । [4]

कश्मीर की पर्वतमालाएँ आकाश चूमती नज़र आती हैं । दूर तक फैली वादियों में देवदार और चीड़ के घने जंगल हैं । कल–कल करती हिमानी नदियाँ बहती हैं । अनेक बड़ी झीलें हैं । इस खूबसूरत भूमि ने सभी का मन मोह लिया है । गरमियों में मीठे स्वादिष्ट फलों और मनमोहक फूलों की बहार होती है । सरदियों में ऊँचे पहाड़ों की चोटियों से लेकर बलखाती घाटियों और वादियों तक चारों तरफ फैली बर्फ़ ही बर्फ़। यह है कश्मीर, जिसकी प्राकृतिक छटा निराली और मनोहारी है । इसलिए इसे पृथ्वी का स्वर्ग कहते हैं । हवा में मस्ती के साथ झूमते सफेदे के लंबे, ऊँचे पेड़ों और घने चिनार वृक्षों की शोभा देखने योग्य है । चिनार के वृक्ष ईरान से लाकर यहाँ लगाए थे ।

बादाम, अखरोट, नाशपाती, सेब, गोशा, आलूबुखारा और खुबानी यहाँ के विशेष फल हैं । यहाँ शहतूत भी होता है – जिसे 'शाहतुल' कहते हैं । जंगलों में इमारती लकड़ी मिलती है जो नदियों में बहाकर एक जगह से दूसरी जगह ले जाई जाती है । केसर की प्राकृतिक खेती का यहाँ सिर्फ़ एक ही स्थल है । श्रीनगर जाते हुए रास्ते में पांपोर के पास ही सड़क के दोनों ओर केसर के खेत नज़र आते हैं । केसर को कश्मीर में 'क्वंग' और केसर के फूल को 'क्वंगपोश' कहते हैं । खूबसूरत नरगिस के मनमोहक फूलों की यहाँ भरमार रहती है ।

(1) एक–दो शब्दों में उत्तर लिखिए ।

(i) वादियों में इनके घने जंगल – (1) ____________ (1)

(2) ____________

(ii) गद्यांश में आए मौसम – (1) ____________ (1)

(2) ____________

(2) ‘भारत भूमि विविधता से संपन्न है’ इस विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए । (2)

विभाग 2 – पद्‌य : 12 अंक

प्र.2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्‌यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । [6]

फागुन के दिन चार होरी खेल मना रे ।
बिन करताल पखावज बाजै, अणहद की झनकार रे ।
बिन सुर राग छतीसूँ गावै, रोम–रोम रणकार रे ।।
सील संतोख की केसर घोली, प्रेम–प्रीत पिचकार रे ।
उड़त गुलाल लाल भयो अंबर, बरसत रंग अपार रे ।।
घट के पट सब खोल दिए हैं, लोकलाज सब डार रे ।
‘मीरा’ के प्रभु गिरिधर नागर, चरण कँवल बलिहार रे ।।

(1) संजाल पूर्ण कीजिए । (2)

होली के समय आनंद निर्मित करने वाले घटक

(2) ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्न शब्द हों । (2)

(i) अंबर – ______________ (ii) फागुन – ______________

(3) उपर्युक्त पद्‌यांश की प्रथम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए । (2)

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **[6]**

> बीत गया हेमंत भ्रात, शिशिर ऋतु आई!
> प्रकृति हुई द्युतिहीन, अवनि में कुंझटिका है छाई।
>
> पड़ता खूब तुषार पद्मदल तालों में बिलखाते,
> अन्यायी नृप के दंडों से यथा लोग दुख पाते।
>
> निशा काल में लोग घरों में निज-निज जा सोते हैं,
> बाहर श्वान, स्यार चिल्लाकर बार-बार रोते हैं।
>
> अद्र्धरात्रि को घर से कोई जो आँगन को आता,
> शून्य गगन मंडल को लख यह मन में है भय पाता।

(1) उत्तर लिखिए। (2)

(i) पद्यांश में आए ऋतुओं के नाम

(1) ______________ (2) ______________

(ii) पद्यांश में आए पशुओं के नाम

(1) ______________ (2) ______________

(2) (i) निम्नलिखित शब्दों के लिए पद्यांश में प्रयुक्त विलोमार्थक शब्द ढूँढ़कर लिखिए। (1)

(1) न्यायी × ______________ (2) सुख × ______________

(ii) पद्यांश में आए 'अवनि' शब्द के पर्यायवाची शब्द लिखिए। (1)

(1) ______________ (2) ______________

(3) उपर्युक्त पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। (2)

विभाग 3 – पूरक पठन : 8 अंक

प्र.3. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। [4]

''यह भ्रष्टाचार की बहन है जैसे विशेष अवसरों पर हम अपने प्रियजनों, परिचितों, मित्रों को उपहार देते हैं । इसका स्वरूप भी कुछ-कुछ वैसा ही है लेकिन उपहार देकर हम केवल खुशियों या कर्तव्यों का आदान-प्रदान करते हैं । इससे अधिक कुछ नहीं जबकि रिश्वत देने से रुके हुए कार्य, दबी हुई फ़ाइलें, टलती हुई पदोन्नति, रोकी गई नौकरी आदि में इसके कारण सफलता हासिल की जा सकती है । तब भी यह समाज के माथे पर कलंक है, इसका समर्थन कतई नहीं किया जा सकता, ऐसी मेरी धारणा है ।'' कहकर वह तेजी से बाहर निकल आया । जानता था कि यहाँ भी चयन नहीं होगा ।

पर भीतर बैठे अधिकारियों ने ..... गंभीरता से विचार-विमर्श करने के बाद युवक के सही उत्तर की दाद देते हुए उसका चयन कर लिया । आज वह समझा कि 'सत्य कुछ समय के लिए निराश हो सकता है, परास्त नहीं ।'

(1) उत्तर लिखिए । (2)

रिश्वत देने से होनेवाले काम

(i) ____________ (ii) ____________

(iii) ____________ (iv) ____________

(2) 'भ्रष्टाचार एक अभिशाप' इस विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए । (2)

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। [4]

चलतीं साथ
पटरियाँ रेल की
फिर भी मौन ।

सितारे छिपे
बादलों की ओट में
सूना आकाश ।

तुमने दिए जिन गीतों को स्वर हुए अमर । सागर में भी रहकर मछली प्यासी ही रही ।

(1) उचित जोड़ियाँ मिलाकर फिर से लिखिए । (2)

	'अ'		'आ'
(i)	मछली	–	मौन
(ii)	गीतों के स्वर	–	सूना
(iii)	रेल की पटरियाँ	–	प्यासी
(iv)	आकाश	–	अमर
			साथ

(2) 'जल ही जीवन है' इस विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए । (2)

विभाग 4 – भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 14 अंक

प्र.4. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । [14]

(1) निम्नलिखित वाक्य के अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद पहचानकर लिखिए । (1)

यहाँ सरदी <u>अच्छी</u> है ।

(2) निम्नलिखित अव्ययों में से <u>किसी एक</u> अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए । (1)

(i) और (ii) आह!

(3) कृति पूर्ण कीजिए । (1)

संधि शब्द	संधि–विच्छेद	संधि भेद
______	निः + आशा	______
	अथवा	
संतोष	______	______

(4) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य की सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए । (1)

(i) सिरचन का मुँह लाल हो गया ।

(ii) वे पुस्तक पकड़े न रख सके ।

सहायक क्रिया	मूल क्रिया
______	______

(5) निम्नलिखित क्रियाओं में से किसी एक क्रिया का प्रथम तथा द्‌वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए । (1)

	क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्‌वितीय प्रेरणार्थक रूप
(i)	घूमना	______	______
(ii)	बनना	______	______

(6) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर उचित वाक्य में प्रयोग कीजिए । (1)

(i) डींग मारना (ii) मुँह लटकाना

अथवा

अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए ।

(बोलबाला होना, तिलमिला जाना)

पंडित बुद्‌धिराम काकी को देखते ही क्रोध में आ गए ।

(7) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए । (1)

(i) मैं अपनी टाँगों की ओर देखता हूँ ।

(ii) रूपा स्वभाव से तीव्र थी ।

कारक चिह्‌न	कारक भेद
______	______

(8) निम्नलिखित वाक्य में यथास्थान उचित विराम–चिह्‌नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए । (1)

केवल टीका, नथुनी बिछिया रख लिए थे

(9) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए । (2)

(i) सोनाबाई अपने बच्चों के साथ आती है । (सामान्य भविष्यकाल)

(ii) चढ़ावे के नाम पर सिर्फ़ पाँच ग्राम सोने के गहने आएँगे । (पूर्ण भूतकाल)

(iii) आप इतनी देर से नाप–तौल करते हैं । (अपूर्ण वर्तमानकाल)

(10) (i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए । (1)

संतरी को जैसा कहा गया था, उसने वैसा ही किया ।

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का कोष्ठक में दी गई सूचनानुसार परिवर्तन कीजिए । (1)

(1) मैं आज रात का खाना नहीं खाऊँगा । (विधानार्थक वाक्य)

(2) थोड़ी बातें हुईं । (निषेधार्थक वाक्य)

(11) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्‌ध करके वाक्य फिर से लिखिए । (2)

(i) अब मैं अपनी टाँगों का ओर देखता है ।

(ii) मानू इतने ही बोल सका ।

(iii) मँझली भाभी माँ का दुलारा बहू है ।

विभाग 5 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 26 अंक

सूचना : आवश्यकतानुसार परिच्छेदों में लेखन अपेक्षित है ।

प्र.5. सूचनाओं के अनुसार लेखन कीजिए । **[26]**

(अ) (1) पत्रलेखन । (5)

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए ।

भार्गव/भाग्यश्री बारगजे, विजयनगर, सोलापुर से अपने मित्र/सहेली विठ्ठल/विठाई वाघ, समता कॉलोनी, गेवराई को दसवीं कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष्य में अभिनंदन करने हेतु पत्र लिखता/लिखती है ।

अथवा

विवेकानंद/विजया, कृष्णकुंज, सातारा से मा. व्यवस्थापक, अजय वस्तु भंडार, सदाशिव पेठ, पुणे–4 को खेल सामग्री की माँग करते हुए पत्र लिखता/लिखती है ।

(2) **निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर गद्यांश में एक–एक वाक्य में हों ।** (4)

> बाबू हरिदास का ईंटों का पजावा शहर से मिला हुआ था । आसपास के देहातों से सैकड़ों स्त्री–पुरुष, लड़के नित्य आते और पजावे से ईंटें सिर पर उठाकर ऊपर कतारों से सजाते । एक आदमी पजावे के पास पैसे लिए बैठा रहता था । मज़दूरों को ईंटों की संख्या के हिसाब से पैसे मिलते इसलिए बहुत–से मज़दूर बूते के बाहर काम करते । वृद्धों और बालकों को ईंटों के बोझ से अकड़े हुए देखना बहुत करुणाजनक दृश्य था । सबसे करुण दशा एक छोटे लड़के की थी । जो सदैव अपनी अवस्था के लड़कों से दुगुनी ईंटें उठाता और सारे दिन अविश्रांत परिश्रम और धैर्य के साथ अपने काम में लगा रहता । और लड़के बनिए की दुकान से गुड़ लाकर खाते, कोई सड़क पर जानेवाले इक्कों और हवा गाड़ियों की बहार देखता और कोई व्यक्तिगत संग्राम में अपनी जिह्वा और बाहू के जौहर दिखाता, लेकिन इस गरीब लड़के को अपने काम से काम था । उसमें लड़कपन की न चंचलता थी, न शरारत, न खिलाड़ीपन, यहाँ तक कि उसके होठों पर कभी हँसी भी न आती थी । बाबू हरिदास को उसकी दशा पर दया आती थी । कभी–कभी पैसेवाले को इशारा करते कि उसे हिसाब से अधिक पैसे दे दो । कभी–कभी वे उसे कुछ खाने को दे देते ।

(आ) (1) वृत्तांत–लेखन । (5)

आदर्श विद्यालय, अमरावती में मनाए गए 'वृक्ष लगाओ – वृक्ष बचाओ अभियान' का 60 से 80 शब्दों में वृत्तांत–लेखन कीजिए ।

(वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का उल्लेख होना अनिवार्य है ।)

अथवा

कहानी–लेखन ।

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए ।

> भूखा कुत्ता – रोटी के लिए दर–दर भटकना – कूड़े में रोटी पाना – तालाब के पास बैठकर रोटी खाने का इरादा – तालाब में खुद की परछाईं देखना – भौंकना – रोटी का तालाब में गिर जाना – पछतावा – सीख ।

(2) **विज्ञापन–लेखन ।** (5)

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए ।

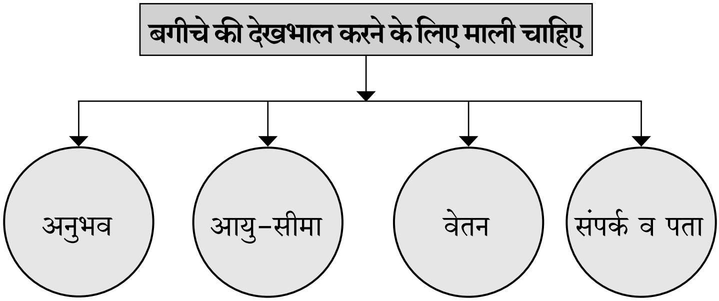

(इ) निबंध-लेखन। (7)

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए ।

(1) यदि मैं प्रधानाध्यापक होता....

(2) पुस्तक की आत्मकथा

(3) विविधता में एकता

★★★